Date - 05/08/2015

पायनियर (3)

अकादमिक गुणवत्ता व विद्यार्थियों के समायोजन पर रहेगा पूरा जोरः प्रो. पाठक

यूपीटीयू कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने व्हॉट्सएप नंबर जारी कर छात्र-छात्राओं से की सीधे संपर्क की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र प्राविधिक विश्वविद्यालय (यूपीटीयू) के नये कुलपति के रूप में प्रो. विनय कुमार पाठक ने मंगलवार को कार्यभार ग्रहण किया। वह अगले तीन वर्ष तक विवि के कुलपति बने रहेंगे। पदभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने यूपीटीयू का नया खाका तैयार करने के लिए अपनी टीम को लगा दिया है।

विवि के कान्फ्रेंस हॉल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि यूपीटीयू की अकादमिक गुणवत्ता सुधारना व विद्यार्थियों के समायोजन पर उनका मुख्य फोकस रहेगा। इसके अलावा वे औद्योगिक क्षेत्रों की मांग के अनुरूप पाठ्यक्रम को तैयार कराकर छात्र-छात्राओं को बेहतर प्रशिक्षण देंगे। कुलपति ने कहा कि विवि में पढ़ने वाले ज्यादातर विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि हिन्दी माध्यम की होती है, इसलिये हिन्दी माध्यम में तकनीकी पाठ्य पुस्तकों को तैयार कराया जायेगा। उन्होंने इंटर्नशिप व्यवस्था के साथ ही अकादमिक कैलेंडर, इंजीनियरिंग कालेजों में कोड बदलाव की समस्या का निदान, समायोजन प्रकोष्ठ का गठन, पीएचडी व एमटेक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने आदि को अपनी योजनाओं में शामिल बताया। प्रो. पाठक ने कहा कि यूपीटीयू का क्षेत्र काफी वृहद होने के कारण विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थापना कर इंजीनियरिंग संस्थानों की निगरानी की जायेगी। यूपीटीयू में ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू करने के अलावा नये नियमित स्टॉफ की भी नियुक्ति की जायेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 से ही नियुक्त तमाम कर्मचारियों का अब तक उचित हल नहीं किया जा सका है, वे इस दिशा में भी ठोस प्रयास करेंगे। कुलपति ने यूपीटीयू का नामकरण पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम के नाम पर करने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि विवि का कामकाज जल्द ही नये परिसर में भी शुरू किया जायेगा व विवि प्रशासन नेटवर्किंग पर पूरा जोर देगा। कुलपति ने विवि के निगरानी तंत्र को दुरुस्त करने के साथ ही कालेजों में शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात को बेहतर करने, छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति समस्याओं का समाधान करने, कालेजों के लिए अलग प्रकोष्ठ, सेमिनार व कैलेन्डर को तैयार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विवि में प्रश्नपत्र तैयार करने के साथ ही हल भी तैयार कराये जायेंगे व उसी के आधार पर कापियां जांची जायेंगी। परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए डिजिटल मूल्यांकन पद्धति लागू की जायेगी। उन्होंने कहा कि वे यूपीटीयू को आईआईटी के समतुल्य बनाने का प्रयास करेंगे। इसके लिए मूल्यांकन में एकरूपता व परीक्षा प्रणाली में पूरी तरह से पारदर्शिता बरती जायेगी। नवनियुक्त कुलपति ने कहा कि यूपीटीयू से सम्बद्ध कालेजों में सीटें खाली रह जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सत्र के नियमित न होने व परिणाम समय से न घोषित करने के कारण भी परेशानियां बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में आवासीय व्यवस्था न होने के बावजूद वे छात्र-छात्राओं से सीधे संपर्क में रहेंगे। उन्होंने संपर्क के लिए व्हॉट्स अप नंबर 8004455599 भी जारी किया। इसके अतिरिक्त जल्दी ही एक नया पोर्टल भी लांच किया जायेगा।